S–20 Roll No. ……..

BAKK–201

शान्ति एवं संस्कार विधान

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी. ए.-12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मूल शान्ति के सन्दर्भ में विभिन्न मत-मतान्तरों का वर्णन कीजिए।
2. नवग्रहों का परिचय देते हुए सूर्य ग्रह शान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।
3. मानव जीवन में संस्कारों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) कुशकण्डिका विधि
   (ख) द्विरागमन

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जातकर्म-नामकरण एवं चूड़ाकरण संस्कार का परिचय दीजिए।
2. मूल शान्ति के प्रायोगिक विधान का वर्णन कीजिए।
3. पंचभूसंस्कार से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
4. पौराणिक अभिषेक विधि का वर्णन कीजिए।
5. पंचांग पूजन से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
6. नवग्रहों का मानव जीवन के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।
7. भौम ग्रह शान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।
8. दिग् रक्षण विधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'संस्कार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है ?
   (क) उप

(ख) सम

(ग) प्र

(घ) परा

2. निम्नलिखित में बौधायन गृह्यसूत्र का सम्बन्ध है :

(क) शुक्लयजुर्वेद से

(ख) ऋग्वेद से

(ग) कृष्णयजुर्वेद से

(घ) सामवेद से

3. महर्षि व्यास के मत में संस्कारों की संख्या कितनी है ?

(क) 15

(ख) 16

(ग) 40

(घ) 18

4. सर्पिः का अर्थ है—

(क) दूध

(ख) दही

(ग) घी

(घ) शहद

5. उपयमन कुशाओं की संख्या कितनी है ?

(क) 5

(ख) 6

(ग) 7

(घ) 8

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. नित्य आहूतियों की संख्या ..... है।
7. अक्षराम्भ संस्कार ..... वर्ष में कराना चाहिए।
8. शतपथब्राह्मण के अनुसार ब्राह्मणों को उपनयन में ..... व्रत करना चाहिए।
9. द्वितीय ग्रहाहुति ..... की होती है।
10. सहस्र का अर्थ ..... होता है।